

वश्व टीकाकरण सप्ताह 2022

वश्व टीकाकरण सप्ताह 2022 का आयोजन 24-30 अप्रैल तक किया जा रहा है।

- वश्व टीकाकरण सप्ताह 2022 का विषय है 'सभी के लिये लंबा जीवन' और इसका उद्देश्य लोगों को इस विचार के लिये एकजुट करना है कि टीके हमारे सपनों को पूरा करने, अपने परियजनों की रक्षा करने और एक लंबा, स्वस्थ जीवन जीना संभव बनाते हैं।



National Immunization Awareness Week

April 23-April 30, 2022

//

वश्व टीकाकरण सप्ताह:

- वश्व टीकाकरण सप्ताह [वश्व स्वास्थ्य संगठन](#) (WHO) द्वारा समन्वित एक स्वास्थ्य अभियान है जिसे प्रतिवर्ष अप्रैल के अंतिम सप्ताह में मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य सभी उम्र के लोगों को बीमारी से बचाने हेतु टीकों के उपयोग को बढ़ावा देना है।
- टीकाकरण वैश्विक स्वास्थ्य और विकास की सफलता को प्रदर्शित करता है, जिससे प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जान बचती है।
- अभी भी दुनिया में लगभग 20 मिलियन टीकाकरण और कम टीकाकरण वाले बच्चे हैं।

टीकाकरण पहले से अधिक महत्वपूर्ण:

- 200 से अधिक वर्षों से टीकों ने हमें उन बीमारियों से बचाया है जो जीवन को खतरे में डालती हैं और हमारे विकास को रोकती हैं।
 - दो शताब्दियों से अधिक समय से टीकों ने लोगों को स्वस्थ रखने में मदद की है- चेचक से बचाव के लिये विकसित किये गए पहले टीके से लेकर कोवडि-19 के गंभीर मामलों को रोकने हेतु उपयोग किये जाने वाले नवीनतम टीकों तक।
- टीकों की मदद से हम चेचक और पोलियो जैसी बीमारियों के बोझ के बिना प्रगति कर सकते हैं, जिसकी कीमत करोड़ों लोगों को चुकानी पड़ी।

टीके की कार्यप्रणाली:

- टीके प्रतिरक्षा प्रणाली को एंटीबॉडी बनाने के लिये ठीक उसी तरह प्रशिक्षित करते हैं, जैसे किसी वास्तविक बीमारी के संपर्क में आने पर प्रतिरक्षा प्रणाली कार्य करता है।
 - ऐसा इसलिए है क्योंकि टीकों में रोगाणुओं के केवल मृत या कमजोर रूप होते हैं, जो न तो बीमारी का कारण बनते हैं और न ही व्यक्ति की जान

जोखमि में डालते हैं।

- **जन्म से लेकर बचपन तक अलग-अलग उम्र में टीके लगाए जाते हैं** और इस रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिये टीकाकरण कार्ड दिया जाता है।
 - यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि ये सभी टीके अद्यतति हों।
- बच्चों का सुरक्षति रूप से संयुक्त टीकाकरण कथिया जा सकता है (जैसे- डपिथीरथिया, काली खॉसी और टेटनस के लथि), ताक बच्चों के जीवन को सुरक्षति कथिया जा सके।
- टीके के कुछ गौण दुष्परभाव हो सकते हैं, जैसे- हलका बुखार, इंजेक्शन की जगह पर दरद या लालमि, जो कुछ ही दनिों में अपने आप दूर हो जाते हैं।
 - गंभीर या लंबे समय तक चलने वाले दुष्परभाव अत्यंत दुर्लभ होते हैं।
- हलकी बीमारी के दौरान टीके सुरक्षति रूप से लगाए जा सकते हैं लेकनि बुखार के साथ या बनि बुखार वाले मध्यम या गंभीर बीमारी वाले बच्चों को खुराक पाने के लथि ठीक होने तक इंतजार करना पड़ सकता है।

भारत में टीकाकरण की हालथिया पहल:

- [सार्वभौमकि टीकाकरण कार्यक्रम](#)
- [सघन मशिन इंटरधनुष \(IMI\) 3.0 योजना](#)
- [पलस पोलथियो कार्यक्रम](#)

वगित वर्शों के प्रश्न:

प्रश्न. 'रकिॉमबनिंट वेक्टर टीके' के संबंध में हाल के घटनाक्रमों के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजथि:

1. इन टीकों के वकिस में जेनेटकि इंजीनथिरगि का प्रयोग कथिया जाता है।
2. बैक्टीरथिया और वायरस का उपयोग वेक्टर के रूप में कथिया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर.(c)

व्याख्या:

- रकिॉमबनिंट वेक्टर वैक्सीन को आनुवंशकि इंजीनथिरगि के माध्यम से नरिमति कथिया जाता है। बैक्टीरथिया या वायरस के लथि प्रोटीन नरिमति करने वाले जीन को अलग कर दूसरी कोशकि के जीन में प्रवषिट कराया जाता है। जब वह कोशकि पुनरुत्पादन करती है तो इस वैक्सीन द्वाारा प्रोटीन का उत्पादन कथिया जाता है जसिका अर्थ है कि प्रतरिक्षा प्रणाली प्रोटीन को पहचान कर शरीर को इससे सुरक्षति करेगी।

स्रोत: इंडथिन एक्सप्रेस